

Activity ID: 1903203021

B. A. 6th Semester (Programme) Examination, October 2020

Subject: Sanskrit

Course Code: APSNS 601DSE-1B

Course ID: 60918

Course Title: Kāvya & Philosophy

Full Marks: 16

Time: 1 Hour

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यचिद् एकस्योत्तरं प्रदेयम् । 10X1=10

(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোন একটি প্রশ্নের উত্তর লিখতে হবে।)

- a) स्वप्नवासवदत्तनाटके ब्रह्मचारी कः ? अस्मिन् नाटके ब्रह्मचारिवृत्तान्तस्य तात्पर्यम् आलोच्यताम् ।
स्वप्नवासवदत्त-নাটকে ব্রহ্মচারী কে ? এই নাটকে বর্তমান ব্রহ্মচারী-বৃত্তান্তের তাৎপর্য আলোচনা কর।
- b) যৌগন্ধরায়ণ: ক: ? স্বপ্নবাসবদত্তনাটকমনুসৃত্য তস্য চারিত্রিকবৈশিষ্ট্যানি আলোচয়তু।
যৌগন্ধরায়ণ কে ? স্বপ্নবাসবদত্ত-নাটকটি অনুসরণ করে তাঁর চারিত্রিক বৈশিষ্ট্যগুলি আলোচনা কর।
- c) श्रीमद्भगवद्गीतायाः द्वितीयाध्यायम् अनुसृत्य आत्मतत्त्वम् आलोच्यताम् ।
শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার দ্বিতীয় অধ্যায় অনুসারে আত্মতত্ত্ব আলোচনা কর।
- d) श्रीमद्भगवद्गीतामनुसृत्य स्थितप्रज्ञस्य वैशिष्ट्यानि व्याख्यायन्ताम् ।
শ্রীমদ্ভগবদ্গীতা অনুসারে স্থিতপ্রজ্ঞের বৈশিষ্ট্যগুলি আলোচনা কর।
- e) श्रीमद्भगवद्गीताम् अनुसृत्य कर्मयोगस्वरूपं वर्णनीयम्।
শ্রীমদ্ভগবদ্গীতা অনুসারে কর্মযোগের স্বরূপ বর্ণনা কর।

2. अधोलिखितेषु एकस्य श्लोकस्य सरलसंस्कृतेन देवनागरलिप्या च व्याख्या कार्या। 6X1=6

(निम्नलिखित श्लोकগুলির মধ্যে যে কোন একটি সরল সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরীলিপিতে ব্যাখ্যা কর।)

- a. सुखमर्थो भवेद् दातुं सुखं प्राणाः सुखं तपः ।
सुखमन्यद् भवेत् सर्वं दुःखं न्यासस्य रक्षणम् ॥
- b. प्रद्वेषो बहुमानो वा संकल्पादुपजायते ।
भर्तृदाराभिलाषित्वादस्यां मे महती स्वता ॥
- c. जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च ।
तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि ॥
- d. क्रोधाद्भवति सम्मोहः सम्मोहात्स्मृतिविभ्रमः ।
स्मृतिभ्रंशाद्बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति ॥
- e. लोकेऽस्मिन् द्विविधा निष्ठा पुरा प्रोक्ता मयानघ ।
ज्ञानयोगेन सांख्यानां कर्मयोगेन योगिनाम् ॥